

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन (SKPF) एवं WINCOMPETE- संयुक्त टेस्ट सीरीज - 2026

समय: 2:00 घण्टे |

| अधिकतम अंक: 300

विषय: राजस्थान भूगोल (भौतिक)

टेस्ट संख्या: [12]

अभ्यर्थी का नाम: _____

अनुक्रमांक (Roll No.): _____

परीक्षा केंद्र _____

हस्ताक्षर अभ्यर्थी: _____

हस्ताक्षर वीक्षक: _____

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पुस्तिका में कुल 100 वस्तुनिष्ठ प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के चार विकल्प (A, B, C, D, E) दिए गए हैं।
2. प्रत्येक सही उत्तर के लिए 3 अंक निर्धारित हैं।
3. **नकारात्मक अंकन (Negative Marking):** प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जाएगा।
4. OMR उत्तर पत्रक में पाँच विकल्प (A, B, C, D, E) में एक का अंकन करना है। यदि आप किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो अनिवार्य रूप से विकल्प 'E' को अंकित करें।
5. यदि अभ्यर्थी किसी प्रश्न को हल नहीं करता है और विकल्प 'E' को भी अंकित नहीं करता है, तो उस प्रश्न के लिए भी 1/3 भाग (1 अंक) काटा जाएगा। (नवीनतम RPSC नियम)
6. कच्चे कार्य (Rough work) के लिए स्थान इस पुस्तिका के अंत में दिया गया है।
7. अपने रोल नम्बर और अन्य विवरण केवल निर्धारित स्थान पर ही लिखें।

[QUESTIONS SECTION]

प्रश्न 1: राजस्थान के पश्चिमी रेतीले मैदान (मरुस्थलीय प्रदेश) की भू-वैज्ञानिक उत्पत्ति, विस्तार एवं वर्गीकरण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: थार का मरुस्थल भू-वैज्ञानिक दृष्टि से मेसोजोइक महाकल्प के टेथिस सागर का अवशेष है, जिसकी पुष्टि आकल वुड फॉसिल पार्क के जीवाश्मों से होती है।

कथन II: शुष्क मरुस्थलीय प्रदेश को 25 सेमी. की समवर्षा रेखा अर्ध-शुष्क बांगड़ प्रदेश से अलग करती है, जबकि 50 सेमी. समवर्षा रेखा इसे अरावली से विभाजित करती है।

कथन III: बालुका स्तूप मुक्त प्रदेश का विस्तार मुख्यतः बाड़मेर-जैसलमेर-बीकानेर के त्रिभुज क्षेत्र में चूना पत्थर एवं बलुआ पत्थर की अवसादी चट्टानों के फैलाव के कारण है।

- A) केवल 1 और 2
- B) केवल 2 और 3
- C) केवल 1 और 3
- D) केवल 1

प्रश्न 2: राजस्थान के थार मरुस्थल में पाए जाने वाले बालुका स्तूपों के आकृतिक वर्गीकरण एवं दिशात्मक विशेषताओं के संबंध में दिए गए विवरण का मूल्यांकन कीजिए:

कथन (A): बरखान (अर्धचंद्राकार) बालुका स्तूप पवन की दिशा के समकोण पर बनते हैं और ये सर्वाधिक गतिशील तथा विनाशकारी प्रकृति के होते हैं।

कारण (R): अनुदैर्घ्य (पवनानुवर्ती) बालुका स्तूपों का निर्माण प्रचलित पवन की दिशा के समानांतर होता है और ये मुख्यतः जैसलमेर एवं पश्चिमी बाड़मेर में पाए जाते हैं।

- A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
- B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

- C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
- D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

प्रश्न 3: अरावली पर्वतीय प्रदेश के भू-वैज्ञानिक इतिहास एवं उसकी सामरिक व जलविभाजक भूमिका के संबंध में दिए गए कथनों के आधार पर निष्कर्षों की सत्यता की जांच कीजिए:

कथन: अरावली श्रृंखला ग्री-कैम्ब्रियन काल की अरावली सुपरग्रुप चट्टानों से निर्मित विश्व की प्राचीनतम वलित पर्वतमाला है, जो थार मरुस्थल के पूर्वी प्रसार को रोकती है तथा महान भारतीय जलविभाजक रेखा का कार्य करती है।

निष्कर्ष I: अरावली का भू-वैज्ञानिक अध्ययन सर्वप्रथम ए.एम. हेरोन द्वारा किया गया था तथा यह राजस्थान में दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व की ओर विस्तृत है।

निष्कर्ष II: अरावली पर्वतमाला राज्य के कुल भू-भाग का लगभग 11% क्षेत्र घेरती है जिसमें राज्य की 20% जनसंख्या निवास करती है।

- A) केवल निष्कर्ष I सही है
- B) केवल निष्कर्ष II सही है
- C) निष्कर्ष I और II दोनों सही हैं
- D) निष्कर्ष I और II दोनों गलत हैं

प्रश्न 4: अरावली की प्रमुख चोटियों, दर्रा (नाल) एवं उनसे संबंधित जिलों का सही मिलान कीजिए:

सूची I

- a) सुराघाट एवं शिवपुर घाट
- b) देसूरी की नाल एवं सोमेश्वर दर्रा
- c) हाथी दर्रा एवं स्वरूपघाट
- d) कामलीघाट एवं गोरमघाट

सूची II

- 1. पाली
- 2. राजसमंद
- 3. अजमेर
- 4. उदयपुर

- A) a-1, b-2, c-3, d-4
- B) a-3, b-1, c-4, d-2

- C) a-2, b-4, c-1, d-3
D) a-4, b-3, c-2, d-1

प्रश्न 5: राजस्थान के भौतिक प्रदेशों एवं उनकी पर्वत चोटियों के संबंध में नीचे दिए गए कथनों में से असंगत कथन की पहचान कीजिए:

- A) गुरुशिखर (1722 मी.) सिरोही जिले में स्थित अरावली एवं राजस्थान की सर्वोच्च पर्वत चोटी है।
B) मध्य अरावली की सबसे प्रमुख चोटियों में ताड़गढ़ (मोरमजी) तथा तारागढ़ शामिल हैं।
C) उत्तरी अरावली की सबसे ऊंची चोटी रघुनाथगढ़ (1055 मी.) सीकर जिले में स्थित है।
D) डोरा पर्वत (869 मी.) मध्य अरावली क्षेत्र का सर्वोच्च पर्वत शिखर है।

प्रश्न 6: राजस्थान की नदियां और उनके भू-आकृतिक प्रभाव जल प्रवाह की दिशा और स्थलाकृति को निर्धारित करते हैं। चंबल नदी अपनी विशिष्ट उत्खात भूमि (Badland Topography) के लिए प्रसिद्ध है, जहां गहरे खड्ड एवं बीहड़ पाए जाते हैं। यह क्षेत्र मानसूनी अपरदन से अत्यधिक प्रभावित है और सघन जनसांख्यिकीय बसाव के अनुकूल नहीं है।

उपरोक्त गद्यांश के आधार पर चंबल बेसिन की उत्खात स्थलाकृति का मुख्य कारण क्या है?

- A) तीव्र पवन अपरदन एवं बालुका स्तूपों का स्थानांतरण
B) अत्यधिक अवनलिका (Gully) अपरदन एवं बहते जल की क्रिया
C) विवर्तनिक हलचलें एवं लावे का जमाव
D) हिमानी पिघलन एवं भूपरिदृश्य में धंसाव

प्रश्न 7: पूर्वी मैदानी प्रदेश के अंतर्गत 'छप्पन का मैदान' किन दो जिलों के मध्य स्थित है?

- A) कोटा एवं बूंदी
B) बांसवाड़ा एवं प्रतापगढ़
C) डूंगरपुर एवं उदयपुर
D) अलवर एवं भरतपुर

प्रश्न 8: पूर्वी मैदानी प्रदेश के नदी बेसिनों एवं उनकी विशेषताओं के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: बनास बेसिन का दक्षिणी भाग 'मेवाड़ का मैदान' तथा उत्तरी भाग 'मालपुरा-करौली का मैदान' कहलाता है।

कथन II: बाणगंगा नदी बेसिन का विस्तार जयपुर, दोसा एवं भरतपुर जिलों में है और इसे 'रुंडित सरिता' भी कहा जाता है।

कथन III: बनास बेसिन में अवशिष्ट टीलों के रूप में पाए जाने वाले पृथक-पृथक उच्च भू-भागों को 'भाकर' कहा जाता है।

- A) केवल 1 और 2
B) केवल 2 और 3
C) केवल 1 और 3
D) केवल 2

प्रश्न 9: दक्षिणी-पूर्वी पठारी प्रदेश (हाड़ौती का पठार) की भू-वैज्ञानिक विशेषताओं के संदर्भ में दिए गए कथनों का विश्लेषण कीजिए:

कथन (A): हाड़ौती का पठार मालवा के पठार का ही उत्तरी प्रसार है, जो दक्कन ट्रैप की बसाल्टिक लावे की अवधारणों से आच्छादित है।

कारण (R): विंध्यन कगार भूमि चंबल और उसकी सहायक नदियों द्वारा निर्मित बलुआ एवं चूना पत्थर की चट्टानों से युक्त संरचना है।

- A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

प्रश्न 10: हाड़ौती के पठार के गौण भू-आकृतिक प्रदेशों एवं उनके क्षेत्रीय विस्तार के आधार पर दिए गए निष्कर्षों का मूल्यांकन कीजिए:

कथन: दक्षिणी-पूर्वी पठारी भाग को मुख्यतः दो उप-इकाइयों 'दक्कन लावा पठार' और 'विंध्यन कगार भूमि' में विभाजित किया जाता है, जिसमें शाहबाद का उच्च स्थल और मुकुंदरा पहाड़ियां शामिल हैं।

निष्कर्ष I: घोड़े की नाल के आकार (Horseshoe shape) वाली रामगढ़ पहाड़ी कोटा जिले में स्थित है।

निष्कर्ष II: मुकुंदरा की पहाड़ियां कोटा एवं झालरापाटन (झालावाड़) के बीच विस्तृत हैं और इनका ढाल उत्तर से दक्षिण की ओर है।

- A) केवल निष्कर्ष I सही है
- B) केवल निष्कर्ष II सही है
- C) निष्कर्ष I और II दोनों सही हैं
- D) निष्कर्ष I और II दोनों गलत हैं

प्रश्न 11: राजस्थान के विभिन्न पठारों एवं उनसे संबंधित अवस्थिति (जिलों) की सूचियों का सुमेलित रूप चुनिए:

सूची I

- a) उड़िया का पठार
- b) मेसा का पठार
- c) लसाड़िया का पठार
- d) उपसरमाल का पठार

सूची II

- 1. चित्तौड़गढ़
- 2. सलंबर / उदयपुर
- 3. भीलवाड़ा एवं चित्तौड़गढ़
- 4. सिरौही

- A) a-1, b-2, c-3, d-4
- B) a-4, b-1, c-2, d-3
- C) a-3, b-4, c-1, d-2
- D) a-2, b-3, c-4, d-1

प्रश्न 12: स्थानीय भू-आकृतिक शब्दावली एवं उनके भौगोलिक अर्थों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन असंगत है?

- A) पूर्वी सिरौही क्षेत्र में तीव्र ढाल वाली एवं कटी-फटी पहाड़ियों को स्थानीय भाषा में 'भाकर' कहा जाता है।
- B) उदयपुर बेसिन को चारों ओर से घेरे हुए तश्तरीनुमा पहाड़ियों की श्रृंखला को 'गिरवा' कहा जाता है।
- C) प्रतापगढ़ एवं बांसवाड़ा के बीच माही नदी के तटीय भू-भाग को 'कांठल' कहा जाता है।

D) सिरौही, जालोर एवं पाली के मध्य स्थित जालौर ग्रेनाइट युक्त गुंबदाकार पहाड़ियों को 'मेवल' कहा जाता है।

प्रश्न 13: राजस्थान का बाड़मेर-सांचौर बेसिन एवं जैसलमेर क्षेत्र अपनी विशिष्ट खनिज तेल एवं प्राकृतिक गैस की भू-वैज्ञानिक संरचनाओं के लिए जाना जाता है। मेसोजोइक और टरशरी काल की अवसादी चट्टानों में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस के विशाल भंडार संचित हैं। इस क्षेत्र की चट्टानी बनावट थार मरुस्थल के निर्माण तथा भू-गर्भिक इतिहास को स्पष्ट रूप से दर्शाती है।

उपरोक्त गद्यांश के आधार पर, पश्चिमी राजस्थान के मरुस्थल में खनिज तेल एवं गैस मिलने का मुख्य भू-वैज्ञानिक कारण क्या है?

- A) प्राचीन आग्नेय चट्टानों का कार्यांतरण
- B) टरशरी एवं मेसोजोइक काल की अवसादी चट्टानों की उपस्थिति
- C) प्री-कैम्ब्रियन काल के ग्रेनाइट और नीस चट्टानों का क्षरण
- D) हाल ही में हुए ज्वालामुखी विस्फोट एवं लावे का फैलाव

प्रश्न 14: अरावली पर्वतमाला के स्थानीय नामों और भू-आकृतिक शब्दावली के संबंध में कौन सा विवरण सत्य है?

- A) जालोर के जसवंतपुरा क्षेत्र में स्थित 'डोरा पर्वत' जसवंतपुरा पहाड़ियों का सर्वोच्च शिखर है।
- B) बाड़मेर की 56 पहाड़ियों के समूह को गोलाकार पहाड़ियों के रूप में 'गिरवा' कहा जाता है।
- C) डूंगरपुर और बांसवाड़ा के मध्य स्थित कटी-फटी पहाड़ियों एवं क्षेत्र को 'ऊपरमाल' कहा जाता है।
- D) अजमेर शहर के चारों ओर स्थित पहाड़ियों को 'कांठल' कहा जाता है।

प्रश्न 15: राजस्थान के पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश के संबंध में निम्नलिखित तीन कथनों का अध्ययन कीजिए:

कथन I: थार मरुस्थल भारत के कुल मरुस्थलीय क्षेत्रफल का लगभग 85% भाग धारण करता है।

कथन II: रन या टाट मरुस्थल में पाई जाने वाली अस्थाई खारे पानी की झीलें या दलदली भूमि होती हैं, जैसे पोकरण और बाप।

कथन III: सीफ (Seif) एक अनुप्रस्थ बालुका स्तूप का रूपांतरित रूप है जो पवन की दिशा बदलने पर बनता है।

- A) केवल 1 और 2
- B) केवल 2 और 3
- C) केवल 1 और 3
- D) केवल 2

प्रश्न 16: राजस्थान के भौगोलिक प्रदेशों के क्षेत्रफल एवं जनसंख्या के अनुपात के संबंध में कथनों का विश्लेषण करें:

कथन (A): पूर्वी मैदानी प्रदेश राजस्थान का सर्वाधिक जनघनत्व वाला भौगोलिक अंचल है।

कारण (R): पूर्वी मैदानी प्रदेश में जलोढ़ मृदा की प्रचुरता, अनुकूल जलवायु तथा नदियों द्वारा सिंचित कृषि योग्य भूमि की उपलब्धता है।

- A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
- B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
- C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
- D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

प्रश्न 17: अरावली पर्वतमाला के दक्षिणी भाग के दर्रे (नाल) के संदर्भ में दिए गए विवरण के आधार पर निष्कर्ष निकालिए:

कथन: दक्षिण-पश्चिम अरावली क्षेत्र में स्थित दर्रे मेवाड़ क्षेत्र को मारवाड़ (गुजरात व तटीय मैदानों) से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण सामरिक व व्यापारिक मार्ग प्रदान करते हैं।

निष्कर्ष I: 'जीणवा नाल' और 'पगलिया नाल' (नाल देसूरी) पाली को समंद/राजसमंद से जोड़ते हैं।

निष्कर्ष II: अरावली के दर्रे केवल प्राकृतिक नदियां हैं और इनका ऐतिहासिक युद्धों में कोई सामरिक महत्व नहीं रहा।

- A) केवल निष्कर्ष I सही है

- B) केवल निष्कर्ष II सही है
- C) निष्कर्ष I और II दोनों सही हैं
- D) निष्कर्ष I और II दोनों गलत हैं

प्रश्न 18: राजस्थान के पठारों और उनकी ऊंचाइयों/विशेषताओं के सही जोड़े का चयन कीजिए:

सूची I

- a) उड़िया पठार
- b) आबू पठार
- c) भोरट पठार
- d) मेसा पठार

सूची II

- 1. राजस्थान का दूसरा उच्चतम पठार (1200 मी.)
- 2. कुंभलगढ़ और गोगुंदा के मध्य स्थित पठार
- 3. जिस पर चित्तौड़गढ़ दुर्ग स्थित है (620 मी.)
- 4. राजस्थान का सबसे ऊंचा पठार (1360 मी.)

- A) a-1, b-2, c-3, d-4
- B) a-4, b-1, c-2, d-3
- C) a-2, b-3, c-4, d-1
- D) a-3, b-4, c-1, d-2

प्रश्न 19: राजस्थान के भौतिक प्रदेशों एवं उनकी प्रशासनिक अवस्थिति के संबंध में कौन सा कथन गलत है?

- A) महान सीमा भ्रंश (Great Boundary Fault) सवाई माधोपुर, बूंदी एवं चित्तौड़गढ़ जिलों में विंध्यन एवं अरावली पर्वत श्रेणियों के मोड़ पर स्थित है।
- B) 56 का मैदान केवल जालौर और सिरोही जिलों के मध्य विस्तृत है।
- C) मालपुरा-करौली का मैदान बनास नदी बेसिन का एक भाग है जो मुख्य रूप से टोंक, सवाई माधोपुर एवं करौली में फैला है।
- D) बीजासन का पहाड़ भीलवाड़ा जिले के मांडलगढ़ के निकट स्थित है।

प्रश्न 20: दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में स्थित 'विंध्यन कगार भूमि' क्षेत्र किन दो नदियों के बीच एक स्पष्ट विभाजन रेखा प्रस्तुत करता है?

- A) लूनी और बनास
- B) चंबल और बनास
- C) माही और साबरमती
- D) बाणगंगा और यमुना

प्रश्न 21: राजस्थान में मरुस्थलीकरण की प्रक्रिया, इसके कारणों और 'मार्च ऑफ डेजर्ट' की परिघटना के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: मरुस्थलीकरण का मुख्य भौतिक कारण विवेकहीन पशुचारण, वनों की कटाई और वायु अपरदन है, जिससे मरुस्थल का पूर्व की ओर प्रसार होता है जिसे 'मार्च ऑफ डेजर्ट' कहते हैं।

कथन II: राष्ट्रीय मरुस्थलीकरण एवं भूमि अवनयन एटलस (ISRO) के अनुसार राजस्थान का लगभग 67% भू-भाग मरुस्थलीकरण और भूमि अवनयन की प्रक्रिया से प्रभावित है।

कथन III: केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (CAZRI) की स्थापना जोधपुर में वर्ष 1959 में यूनेस्को के सहयोग से मरुस्थलीकरण नियंत्रण हेतु की गई थी।

- A) केवल 1 और 2
- B) केवल 2 और 3
- C) केवल 1 और 3
- D) केवल 2

प्रश्न 22: अरावली पर्वतीय क्षेत्र में हो रहे मृदा क्षरण एवं पारिस्थितिकी संवेदनशीलता के संबंध में दिए गए विवरण का मूल्यांकन कीजिए:

कथन (A): अरावली पर्वतमाला में वनों के विनाश एवं खनन गतिविधियों से तीव्र भू-क्षरण हो रहा है, जिससे इसके गैप्स (गैप क्षेत्रों) से मरुस्थल का प्रसार पूर्वी मैदानी प्रदेश की ओर हो रहा है।

कारण (R): अरावली पर्वतमाला की औसत ऊंचाई 930 मीटर है और यह दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व दिशा में एक अविच्छिन्न (सतत) दीवार के रूप में मरुस्थल के प्रसार को पूर्णतः रोकती है।

- A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
- B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

- C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
- D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

प्रश्न 23: मरुस्थलीकरण और पारिस्थितिकीय क्षरण को रोकने के लिए संचालित राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय कार्यक्रमों के संबंध में दिए गए निष्कर्षों का मूल्यांकन कीजिए:

कथन: केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा शुष्क एवं अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में पारिस्थितिक संतुलन स्थापित करने तथा मरुस्थलीकरण नियंत्रण हेतु विशेष विकास कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

निष्कर्ष I: मरु विकास कार्यक्रम (DDP) वर्ष 1977-78 में शत-प्रतिशत केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में शुरू किया गया था, जिसमें वर्तमान में केंद्र व राज्य का वित्तीय अंशदान 75:25 है।

निष्कर्ष II: सूखा संभाव्य क्षेत्र कार्यक्रम (DPAP) वर्ष 1974-75 में शुरू किया गया था और यह वर्तमान में राजस्थान के सभी 33 पारंपारिक जिलों में समान रूप से लागू है।

- A) केवल निष्कर्ष I सही है
- B) केवल निष्कर्ष II सही है
- C) निष्कर्ष I और II दोनों सही हैं
- D) निष्कर्ष I और II दोनों गलत हैं

प्रश्न 24: मरुस्थलीकरण नियंत्रण एवं अनुसंधान से जुड़ी संस्थाओं/परियोजनाओं और उनके मुख्यालय/प्रारंभ वर्ष का सही मिलान कीजिए:

सूची I

- a) काजरी (CAZRI)
- b) एफरी (AFRI)
- c) मरुस्थल वृक्षारोपण एवं मृदा संरक्षण केंद्र
- d) ऑपरेशन खेजड़ा कार्यक्रम

सूची II

- 1. 1991
- 2. 1952
- 3. 1988
- 4. 1959

- A) a-1, b-2, c-3, d-4
- B) a-4, b-3, c-2, d-1
- C) a-2, b-4, c-1, d-3

D) a-3, b-1, c-4, d-2

प्रश्न 25: अरावली पर्वतीय क्षेत्र में सतत प्रादेशिक विकास और भू-क्षरण की चुनौतियों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा कथन असंगत (गलत) है?

A) अरावली क्षेत्र में अवैध खनन और निर्वनीकरण से प्राकृतिक जलसम्भर (Watersheds) नष्ट हो रहे हैं।

B) अरावली में अवक्रमित वन भूमि के पुनर्जनन के लिए 'अरावली वृक्षारोपण परियोजना' ओईसीएफ (OEFC - जापान) के सहयोग से चलाई गई थी।

C) अरावली की उत्तरी पहाड़ियों में वायु अपरदन के कारण मरुस्थलीकरण का प्रभाव शेखावाटी और जयपुर के मैदानी भागों तक पहुँच गया है।

D) अरावली विकास कार्यक्रम वर्ष 1974-75 में राज्य के सभी 33 जिलों के पर्वतीय खण्डों में एक साथ प्रारंभ किया गया था।

प्रश्न 26: राजस्थान की जलवायु विषमता का मुख्य कारण इसकी भौगोलिक अवस्थिति और अरावली का संरेखण है। राजस्थान की अरावली पर्वतमाला दक्षिण-पश्चिम मानसूनी पवनों के समानांतर स्थित है, जिसके कारण मानसून बिना वर्षा किए उत्तर की ओर बढ़ जाता है। इसके अतिरिक्त थार का मरुस्थल ग्रीष्मकाल में अत्यधिक गर्म होकर निम्न वायुदाब केंद्र का निर्माण करता है, जो मानसूनी हवाओं को आकर्षित करता है।

उपरोक्त गद्यांश के आधार पर राजस्थान में दक्षिण-पश्चिमी मानसून की अरब सागरीय शाखा से पर्याप्त वर्षा न होने का प्राथमिक भौगोलिक कारण क्या है?

A) थार मरुस्थल द्वारा निर्मित उच्च वायुदाब का क्षेत्र

B) मानसूनी हवाओं की दिशा के समानांतर अरावली की अवस्थिति

C) अरावली की अत्यधिक औसत ऊंचाई द्वारा हवाओं का अवरोध

D) बंगाल की खाड़ी के मानसून का समय से पूर्व समाप्त होना

प्रश्न 27: राजस्थान में ग्रीष्मकाल के दौरान चलने वाली स्थानीय ग्रीष्मकालीन हवाओं और धूलभरी आंधियों के संदर्भ में 'भभूल्या' क्या है?

A) शीतकाल में बहने वाली तीव्र ठंडी हवाएं

B) ग्रीष्मकाल में उत्पन्न होने वाला स्थानीय आकस्मिक चक्रवात या वायु भंवर

C) मरुस्थलीय क्षेत्रों में चलने वाली अत्यंत शुष्क एवं गर्म हवा 'लू'

D) मानसून के आगमन से पूर्व होने वाली हल्की वर्षा

प्रश्न 28: राजस्थान की जलवायु को प्रभावित करने वाले भौगोलिक कारकों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: राजस्थान की कर्क रेखा (23.5° उत्तरी अक्षांश) राज्य के दक्षिणी भाग बांसवाड़ा और डूंगरपुर जिलों से होकर गुजरती है।

कथन II: राज्य का अधिकांश भू-भाग उपोष्ण/शीतोष्ण कटिबंध में स्थित है, जबकि केवल बांसवाड़ा का दक्षिणी भाग उष्ण कटिबंध में आता है।

कथन III: महाद्वीपीयता (समुद्र से दूरी) के प्रभाव के कारण राजस्थान में दैनिक और वार्षिक तापांतर बहुत कम अंकित किया जाता है।

A) केवल 1 और 2

B) केवल 2 और 3

C) केवल 1 और 3

D) केवल 1

प्रश्न 29: राजस्थान के तापमान, वायुदाब एवं पवन दिशाओं के ऋतु चक्र विश्लेषणात्मक संदर्भ में दिए गए विवरण का मूल्यांकन कीजिए:

कथन (A): राजस्थान में ग्रीष्म ऋतु (मई-जून) में उत्तर-पश्चिमी भाग में न्यूनतम वायुदाब का केंद्र बनता है, जिससे हवाएं बाहर से केंद्र की ओर आकर्षित होती हैं।

कारण (R): ग्रीष्मकाल में राज्य के पश्चिमी भाग में रेत का धरातल अत्यधिक गर्म हो जाता है, जिससे वहाँ की वायु गर्म होकर ऊपर उठती है और उच्च वायुदाब उत्पन्न होता है।

A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।

B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।

C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।

D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

प्रश्न 30: राजस्थान में ग्रीष्मकालीन वायुमंडलीय घटनाओं 'लू' और 'धूलभरी आंधियों' के प्रभाव के आधार पर दिए गए निष्कर्षों का मूल्यांकन कीजिए:

कथन: ग्रीष्मकाल में पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी राजस्थान में तीव्र तापीय संवहन धाराओं के कारण अत्यंत गर्म शुष्क हवाएं (लू) तथा धूलभरी आंधियां चलती हैं।

निष्कर्ष I: गंगानगर जिला राज्य में सर्वाधिक धूलभरी आंधियों (औसत 27 दिन प्रतिवर्ष) वाला जिला है।

निष्कर्ष II: 'लू' के कारण तटीय और दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में तापमान हिमांक बिंदु से नीचे चला जाता है।

- A) केवल निष्कर्ष I सही है
- B) केवल निष्कर्ष II सही है
- C) निष्कर्ष I और II दोनों सही हैं
- D) निष्कर्ष I और II दोनों गलत हैं

प्रश्न 31: राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में वर्षा के औसत वार्षिक वितरण एवं संबंधित विशेषताओं की सूची का सही मिलान कीजिए:

सूची I

- a) अति-आर्द्र जलवायु प्रदेश
- b) शुष्क जलवायु प्रदेश
- c) उप-आर्द्र जलवायु प्रदेश
- d) अर्ध-शुष्क जलवायु प्रदेश

सूची II

- 1. 20 सेमी. से कम वर्षा (जैसलमेर, बाड़मेर)
- 2. 50 से 70 सेमी. वर्षा (अरावली पर्वतीय क्षेत्र)
- 3. 20 से 40 सेमी. वर्षा (लौणी एवं शेखावाटी बेसिन)
- 4. 90 सेमी. से अधिक वर्षा (झालावाड़, बांसवाड़ा)

- A) a-1, b-2, c-3, d-4
- B) a-4, b-1, c-2, d-3
- C) a-2, b-3, c-4, d-1
- D) a-3, b-4, c-1, d-2

प्रश्न 32: राजस्थान में वर्षा के वितरण प्रतिरूप और दक्षिण-पश्चिमी मानसून के संबंध में कौन सा कथन असंगत (गलत) है?

- A) राजस्थान में वर्षा का औसत वार्षिक वितरण दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पश्चिम की ओर घटता जाता है।
- B) राज्य में मानसूनी वर्षा का अधिकांश भाग (लगभग 90%) दक्षिण-पश्चिम मानसून की बंगाल की खाड़ी शाखा से प्राप्त होता है।
- C) माउंट आबू राज्य का सर्वाधिक वर्षा प्राप्त करने वाला स्थान (लगभग 150 सेमी.) है।
- D) चूरू जिला राजस्थान में सबसे कम वार्षिक वर्षा प्राप्त करने वाला जिला है।

प्रश्न 33: शीतकाल में भूमध्यसागर से उत्पन्न होने वाले चक्रवातीय विक्षोभ भारत के उत्तर-पश्चिमी भागों में पहुंचते हैं। राजस्थान में इन पश्चिमी विक्षोभों से होने वाली वर्षा को 'मावट' कहा जाता है। यह वर्षा जनवरी-फरवरी माह में होती है और रबी की फसलों के लिए अत्यंत लाभदायक मानी जाती है।

उपरोक्त गद्यांश के आधार पर 'मावट' की वर्षा मुख्य रूप से किस फसल के लिए 'गोल्डन ड्रॉप्स' (स्वर्ण बूंदें) मानी जाती है?

- A) खरीफ की फसल बाजरा
- B) जायद की फसल तरबूज
- C) रबी की फसल गेहूं
- D) मानसूनी फसल कपास

प्रश्न 34: राजस्थान में मानसून के आगमन, विवर्तन (लौटने) और वर्षा की अनिश्चितता के संबंध में कौन सा कथन सत्य है?

- A) राजस्थान में मानसून का सामान्य आगमन 25 जून के आसपास दक्षिणी राजस्थान (बांसवाड़ा) में होता है।
- B) मानसून का प्रत्यावर्तन (लौटना) समय राजस्थान में मध्य जुलाई से प्रारंभ हो जाता है।
- C) राजस्थान में वर्षा की परिवर्तनशीलता सबसे कम जैसलमेर और बाड़मेर जिलों में दर्ज की जाती है।
- D) अरब सागर की मानसून शाखा सबसे अंत में राजस्थान में प्रवेश करती है।

प्रश्न 35: राजस्थान की वर्षा विषमता एवं सूखा-अकाल की स्थिति के संबंध में निम्नलिखित कथनों का अध्ययन कीजिए:

कथन I: राजस्थान में वार्षिक वर्षा की परिवर्तनशीलता (Variability) उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की ओर बढ़ती जाती है।

कथन II: दक्षिण-पश्चिम मानसून की बंगाल की खाड़ी शाखा अरावली के पूर्वी ढालों पर पर्याप्त वर्षा करती है, जबकि पश्चिमी भाग वृष्टि-छाया (Rain-shadow) क्षेत्र में रह जाता है।

कथन III: राजस्थान को 'अकालों का घर' कहा जाता है, जहाँ अनिश्चित, अपर्याप्त और खंडित वर्षा के कारण अक्सर 'त्रिकाल' (अन्न, जल और तिनके का संकट) की स्थिति बनती है।

- A) केवल 1 और 2
- B) केवल 2 और 3
- C) केवल 1 और 3
- D) केवल 2

प्रश्न 36: राजस्थान के जलवायु वर्गीकरण और वर्षा के क्षेत्रीय प्रतिरूप के संदर्भ में दिए गए कथनों का विश्लेषण कीजिए:

कथन (A): झालावाड़ जिला राज्य का सर्वाधिक वर्षा प्राप्त करने वाला जिला (औसत 100 सेमी.) है और इसे 'राजस्थान का चेरापूंजी' भी कहा जाता है।

कारण (R): झालावाड़ जिले की भौगोलिक अवस्थिति दक्षिण-पूर्वी हाड़ौती पठार पर है जहाँ बंगाल की खाड़ी और अरब सागर दोनों मानसून शाखाओं से वर्षा होती है।

- A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
- B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
- C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
- D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

प्रश्न 37: शीतकालीन वर्षा 'मावट' और उसकी उत्पत्ति के संदर्भ में दिए गए विवरण के आधार पर निष्कर्ष निकालिए:

कथन: शीतकाल में भारत के उत्तर-पश्चिमी भाग में जेट स्ट्रीम पवनों द्वारा पश्चिमी विक्षोभ लाए जाते हैं, जिनसे राजस्थान के उत्तरी एवं पश्चिमी भाग में वर्षा होती है।

निष्कर्ष I: 'मावट' उत्पन्न करने वाले चक्रवातों की उत्पत्ति भूमध्य सागर एवं कैस्पियन सागर में होती है।

निष्कर्ष II: मावट केवल तटीय राजस्थान के दक्षिणी जिलों में होती है और इसका राज्य की कृषि से कोई संबंध नहीं है।

- A) केवल निष्कर्ष I सही है
- B) केवल निष्कर्ष II सही है
- C) निष्कर्ष I और II दोनों सही हैं
- D) निष्कर्ष I और II दोनों गलत हैं

प्रश्न 38: राजस्थान के जलवायु प्रदेशों और कोपेन के जलवायु वर्गीकरण संकेतों का सही मिलान कीजिए:

सूची I

- a) BWhw
- b) BShw
- c) Cwg
- d) Aw

सूची II

1. उप-आर्द्र/पूर्वी मैदानी प्रदेश (गंगापुर, जयपुर, भरतपुर)
2. अति-आर्द्र/दक्षिणी-पूर्वी प्रदेश (झालावाड़, बांसवाड़ा)
3. शुष्क मरुस्थलीय प्रदेश (जैसलमेर, बीकानेर)
4. अर्ध-शुष्क/स्टेपीडिश प्रदेश (बाड़मेर, जालौर, नागौर)

- A) a-1, b-2, c-3, d-4
- B) a-3, b-4, c-1, d-2
- C) a-2, b-3, c-4, d-1
- D) a-4, b-1, c-2, d-3

प्रश्न 39: राजस्थान के विभिन्न जलवायु घटकों एवं उनसे जुड़ी घटनाओं के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन असंगत (गलत) है?

- A) राजस्थान में वार्षिक वर्षा का औसत लगभग 57.51 सेमी. है।
B) समवर्षा रेखा 25 सेमी. थार के शुष्क मरुस्थल को अर्ध-शुष्क मरुस्थल से विभाजित करती है।
C) 'मावट' की वर्षा का मुख्य कारण उपोष्ण कटिबंधीय पश्चिमी जेट स्ट्रीम का दक्षिणी विस्थापन है।
D) राजस्थान में मानसूनी वर्षा का प्रतिशत कुल वार्षिक वर्षा का केवल 10% होता है और 90% वर्षा शीतकाल में होती है।

प्रश्न 40: राजस्थान में किस महीने में वायुदाब का स्तर सबसे कम (लगभग 997 मिलीबार) दर्ज किया जाता है और हवाएं तीव्र गति से चलती हैं?

- A) जनवरी
B) मार्च
C) जून
D) नवंबर

प्रश्न 41: राजस्थान के पारंपरिक जलवायु प्रदेशों के स्थानिक विश्लेषण एवं उनकी भौतिक विशेषताओं के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: शुष्क जलवायु प्रदेश का विस्तार मुख्यतः जैसलमेर, बाड़मेर तथा बीकानेर के पश्चिमी भागों में है, जहाँ औसत वार्षिक वर्षा 0 से 20 सेमी. के मध्य होती है।

कथन II: उप-आर्द्र जलवायु प्रदेश में अरावली पर्वतीय क्षेत्र शामिल है, जहाँ वर्षा का औसत 50 से 70 सेमी. रहता है तथा प्राकृतिक वनस्पति के रूप में स्टेपी प्रकार की वनस्पति पाई जाती है।

कथन III: अति-आर्द्र जलवायु प्रदेश का विस्तार हाड़ौती के पठार (झालावाड़, कोटा, बारां) एवं बांसवाड़ा जिले में है, जहाँ वर्षा का वार्षिक औसत 90 सेमी. से अधिक दर्ज किया जाता है।

- A) केवल 1 और 2
B) केवल 2 और 3
C) केवल 1 और 3
D) केवल 1

प्रश्न 42: जलवायु वैज्ञानिकों द्वारा राजस्थान के जलवायु प्रदेशों के किए गए वर्गीकरण के संबंध में दिए गए विवरण का मूल्यांकन कीजिए:

कथन (A): थॉर्नथ्वेट के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार राजस्थान के दक्षिणी-पूर्वी भाग (झालावाड़, बांसवाड़ा) को CA'w (उष्णकटिबंधीय आर्द्र-शुष्क) जलवायु प्रदेश के अंतर्गत शामिल किया गया है।

कारण (R): थॉर्नथ्वेट ने अपने वर्गीकरण का मुख्य आधार केवल औसत मासिक तापमान और वर्षा के वितरण प्रतिरूप को बनाया था।

- A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

प्रश्न 43: राजस्थान में सूखा, अकाल (त्रिकाल) एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के संदर्भ में दिए गए निष्कर्षों का मूल्यांकन कीजिए:

कथन: राजस्थान में अपर्याप्त एवं अनिश्चित वर्षा के कारण बारंबार सूखा तथा अकाल की स्थितियाँ बनती हैं, जो राज्य के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को गंभीर रूप से प्रभावित करती हैं।

निष्कर्ष I: 'त्रिकाल' की स्थिति का तात्पर्य राजस्थान में अन्न, जल एवं पशुओं के लिए चारे के एक साथ उत्पन्न हुए भीषण संकट से है।

निष्कर्ष II: राज्य में अकाल एवं सूखे के स्थायी समाधान हेतु 'राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल' (SDRF) का गठन वर्ष 1974 में किया गया था।

- A) केवल निष्कर्ष I सही है
B) केवल निष्कर्ष II सही है
C) निष्कर्ष I और II दोनों सही हैं
D) निष्कर्ष I और II दोनों गलत हैं

प्रश्न 44: राजस्थान की जलवायु के वैज्ञानिक वर्गीकरण प्रणालियों (कोपेन, थॉर्नथ्वेट, ट्रीवार्थ) तथा उनके सांकेतिक कोडों का सही मिलान कीजिए:

सूची I

- a) BWhw (कोपेन)
b) EA'd (थॉर्नथ्वेट)
c) BSh (ट्रीवार्थ)

d) Aw (कोपेन)

सूची II

1. अर्ध-शुष्क मरुस्थलीय एवं स्टेपी प्रदेश
2. अति-आर्द्र दक्षिणी एवं दक्षिणी-पूर्वी भाग
3. शुष्क उष्णकटिबंधीय मरुस्थलीय प्रदेश
4. अत्यंत शुष्क एवं थार मरुस्थलीय अंचल

- A) a-1, b-2, c-3, d-4
B) a-3, b-4, c-1, d-2
C) a-2, b-3, c-4, d-1
D) a-4, b-1, c-2, d-3

प्रश्न 45: राजस्थान के अपवाह तंत्र, भू-वैज्ञानिक विकास एवं जल विभाजक रेखा के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन असंगत (गलत) है?

- A) अरावली पर्वतमाला भारत की महान जल विभाजक रेखा (Great Indian Watershed) का एक महत्वपूर्ण भाग प्रस्तुत करती है।
B) राजस्थान का अपवाह तंत्र तीन मुख्य भागों में विभाजित है: अरब सागरीय अपवाह, बंगाल की खाड़ी अपवाह तथा आंतरिक अपवाह।
C) राजस्थान के कुल अपवाह क्षेत्र में सबसे बड़ा अंश (लगभग 60%) आंतरिक अपवाह तंत्र का है।
D) अरावली के पूर्वी ढालों से निकलने वाली सभी नदियाँ अपना जल सीधे अरब सागर में ले जाकर गिराती हैं।

प्रश्न 46: राजस्थान की आंतरिक प्रवाह प्रणाली की नदियाँ अपने जल को किसी महासागर या समुद्र तक पहुँचाने में असमर्थ होती हैं तथा मैदानी भागों में ही विलुप्त हो जाती हैं। घग्गर नदी, जो प्राचीन वैदिक सरस्वती नदी का अवशेष मानी जाती है, शिवालिक की पहाड़ियों से निकलकर हनुमानगढ़ के भटनेर के पास विलुप्त हो जाती है। अत्यधिक वर्षा की स्थिति में इसका जल पाकिस्तान के फोर्ट अब्बास तक पहुँच जाता है।

उपरोक्त गद्यांश के आधार पर घग्गर नदी के प्रवाह क्षेत्र के संबंध में कौन सा निष्कर्ष प्रामाणिक है?

- A) घग्गर नदी का प्रवाह क्षेत्र राजस्थान में 'नाली' या 'पाट' कहलाता है।
B) घग्गर नदी वर्ष भर बहने वाली राजस्थान की एकमात्र नित्यवाही नदी है।

C) इस नदी के तटीय भाग में जलोढ़ मैदान को 'मेवल' कहा जाता है।

D) यह नदी अपना अंतिम जल सांभर झील में विसर्जित करती है।

प्रश्न 47: सीकर जिले की खंडेला पहाड़ियों से उद्गमित होने वाली कांतली नदी के प्रवाह क्षेत्र को स्थानीय भाषा में किस नाम से जाना जाता है?

- A) कांठल
B) तोरावाटी
C) मेवल
D) 56 का मैदान

प्रश्न 48: राजस्थान की आंतरिक अपवाह तंत्र की नदियों एवं उनके उद्गम स्थलों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: साबी नदी का उद्गम जयपुर जिले की सेवर पहाड़ियों से होता है तथा यह हरियाणा के गुड़गांव जिले में विलुप्त हो जाती है।

कथन II: काकनेय (मसूरदी) नदी जैसलमेर जिले के कोठारी गाँव से निकलती है तथा बुझ झील का निर्माण करती है।

कथन III: मेंथा नदी अजमेर की नाग पहाड़ियों से निकलकर उत्तर दिशा में बहते हुए डीडवाना झील में गिरती है।

- A) केवल 1 और 2
B) केवल 2 और 3
C) केवल 1 और 3
D) केवल 1

प्रश्न 49: सांभर झील में अपना जल प्रवाहित करने वाली आंतरिक अपवाह की नदियों के संबंध में दिए गए विवरण का मूल्यांकन कीजिए:

कथन (A): सांभर झील भारत की सबसे बड़ी अंतःस्थलीय (Inland) खारे पानी की झील है, जिसमें कई आंतरिक नदियाँ जल गिराती हैं।

कारण (R): मेंथा, रूपनगढ़, खारी तथा खांडेला नदियाँ सांभर झील के अपवाह द्रोणी (Basin) का हिस्सा हैं।

- A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
 B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
 C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
 D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

प्रश्न 50: राजस्थान की नदियों एवं उन पर स्थित प्रसिद्ध 'त्रिवेणी संगमों' के संबंध में दिए गए निष्कर्षों का मूल्यांकन कीजिए:

कथन: राजस्थान में कुछ विशिष्ट स्थलों पर तीन नदियों के आपस में मिलने से पवित्र त्रिवेणी संगमों का निर्माण होता है जो धार्मिक एवं भौगोलिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

निष्कर्ष I: बेणेश्वर संगम (डूंगरपुर) में माही, सोम तथा जाखम नदियों का मिलन होता है।

निष्कर्ष II: बीगोद (भीलवाड़ा) के निकट बनास, बेड़च तथा मेनाल नदियाँ आपस में मिलकर त्रिवेणी संगम बनाती हैं।

- A) केवल निष्कर्ष I सही है
 B) केवल निष्कर्ष II सही है
 C) निष्कर्ष I और II दोनों सही हैं
 D) निष्कर्ष I और II दोनों गलत हैं

प्रश्न 51: आंतरिक अपवाह की नदियों एवं उनसे संबंधित जिलों/विशेषताओं की सूचियों का सही मिलान कीजिए:

सूची I

- a) कांतली
 b) रूपारेल (वराह नदी)
 c) काकनेय (मसूरदी)
 d) साबी

सूची II

- अलवर एवं भरतपुर (कुशलपुर के पास विलुप्त)
- जैसलमेर (कोटड़ी/कोठारी गाँव)
- सीकर एवं झुंझुनू (गणेश्वर सभ्यता)
- जयपुर एवं कोटपूतली-बहरोड़ (हरियाणा सीमा)

- A) a-1, b-2, c-3, d-4

- B) a-3, b-1, c-2, d-4
 C) a-2, b-4, c-1, d-3
 D) a-4, b-3, c-2, d-1

प्रश्न 52: राजस्थान में नदियों के अपवाह एवं आंतरिक नदियों की विशेषताओं के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन असंगत (गलत) है?

- A) रूपारेल नदी को स्थानीय स्तर पर 'वराह' या 'लसावरी' नदी भी कहा जाता है।
 B) मेंथा नदी सांभर झील में उत्तर दिशा से आकर मिलने वाली प्रमुख नदी है जो अत्यधिक लवणता लाती है।
 C) कांतली नदी पूर्णतः राजस्थान में बहने वाली आंतरिक अपवाह की सबसे लंबी (लगभग 100 किमी) नदी है।
 D) घग्गर नदी का उद्गम अरावली की खमनोर पहाड़ियों से होता है तथा यह बंगाल की खाड़ी में गिरती है।

प्रश्न 53: जलवायु परिवर्तन और वर्षा की अनिश्चितता राजस्थान की शुष्क पारिस्थितिकी को निरंतर प्रभावित कर रही है। राज्य का पश्चिमी भाग लगातार सूखे की चपेट में रहता है। जल संसाधनों की कमी के कारण भू-जल का अत्यधिक दोहन हो रहा है, जिससे 'डार्क जोन' का विस्तार हो रहा है। ऐसे में पारंपरिक जल संरक्षण की प्रणालियाँ एवं अनुकूलन नीतियाँ अत्यंत आवश्यक हैं।

उपरोक्त गद्यांश के आधार पर राजस्थान के पश्चिमी शुष्क अंचल में सूखा और जलवायु संवेदनशीलता से निपटने हेतु सबसे प्रभावी पारंपरिक जल संरक्षण विधि कौन सी है?

- A) बड़े बहुउद्देशीय कंक्रीट बांधों का निर्माण
 B) टांका, खड़ीन एवं बावड़ी जैसी पारंपरिक प्रणालियों का पुनरुद्धार
 C) भू-जल का तीव्र गति से नलकूपों द्वारा दोहन
 D) नदियों को मोड़कर मरुस्थल में प्रवाहित करना

प्रश्न 54: टीवार्था के जलवायु वर्गीकरण के अनुसार राजस्थान के अधिकांश दक्षिणी एवं दक्षिणी-पूर्वी भाग को किस जलवायु संकेत के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है?

- A) CAw
 B) BSh

- C) BWh
D) AKw

प्रश्न 55: राजस्थान के अपवाह तंत्र की भू-वैज्ञानिक उत्पत्ति एवं विशेषताओं से संबंधित तीन कथनों का अध्ययन कीजिए:

कथन I: चंबल एवं उसकी सहायक नदियाँ राजस्थान के पूर्व-पूर्वी भाग में अध्यारोपित (Superimposed) अपवाह प्रतिरूप का उदाहरण प्रस्तुत करती हैं।

कथन II: अरब सागरीय अपवाह तंत्र राजस्थान के कुल अपवाह क्षेत्र का लगभग 17% भाग निर्मित करता है।

कथन III: माही नदी कर्क रेखा को एक बार उत्तर से दक्षिण की ओर काटती है तथा इसका अपवाह क्षेत्र 'छप्पन का मैदान' कहलाता है।

- A) केवल 1 और 2
B) केवल 2 और 3
C) केवल 1 और 3
D) केवल 1

प्रश्न 56: कोपेन के जलवायु वर्गीकरण और राजस्थान के भौगोलिक अंचलों के संबंध में कथनों का विश्लेषण कीजिए:

कथन (A): कोपेन ने अपने जलवायु वर्गीकरण में BShw कोड का प्रयोग अरावली के पश्चिमी भाग (अर्ध-शुष्क कटिबंध) के लिए किया है।

कारण (R): BShw प्रदेश में स्टेपी प्रकार की वनस्पति पाई जाती है और वर्षा का औसत 20 से 40 सेमी. के मध्य रहता है।

- A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

प्रश्न 57: राजस्थान की त्रिवेणी संगमों की स्थिति एवं नदियों के जुड़ाव के आधार पर दिए गए विवरण का मूल्यांकन कीजिए:

कथन: सवाई माधोपुर जिले के रामेश्वरम घाट (पदरा गाँव) पर तीन प्रमुख नदियाँ आपस में मिलकर एक प्रसिद्ध त्रिवेणी संगम बनाती हैं।

निष्कर्ष I: रामेश्वरम घाट पर चंबल, बनास तथा सीप नदियों का संगम होता है।

निष्कर्ष II: रामेश्वरम घाट का संगम केवल आंतरिक अपवाह की नदियों द्वारा निर्मित होता है।

- A) केवल निष्कर्ष I सही है
B) केवल निष्कर्ष II सही है
C) निष्कर्ष I और II दोनों सही हैं
D) निष्कर्ष I और II दोनों गलत हैं

प्रश्न 58: थॉर्नथ्वेट के जलवायु वर्गीकरण संकेताक्षरों एवं राजस्थान के संबंधित जिलों का सही मिलान कीजिए:

सूची I

- a) CA'w
b) DA'w
c) DB'w
d) EA'd

सूची II

1. जैसलमेर, बाड़मेर (अत्यंत शुष्क)
2. बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़
3. बांसवाड़ा, झालावाड़, डूंगरपुर
4. जयपुर, अजमेर, कोटा, उदयपुर (अधिकांश राजस्थान)

- A) a-1, b-2, c-3, d-4
B) a-3, b-4, c-2, d-1
C) a-2, b-3, c-4, d-1
D) a-4, b-1, c-2, d-3

प्रश्न 59: राजस्थान की नदियों एवं अपवाह तंत्र के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन असंगत (गलत) है?

- A) साबी नदी वर्षा ऋतु में अपनी विनाशकारी बाढ़ों के लिए जानी जाती थी तथा इसके तट पर जोधपुरा सभ्यता विकसित हुई।
B) कांतली नदी के प्रवाह क्षेत्र में प्रसिद्ध ताम्रपाषाण कालीन 'गणेश्वर सभ्यता' का विकास हुआ था।

C) काकनेय नदी को स्थानीय रूप से 'मसूरदी नदी' भी कहा जाता है और यह जैसलमेर में बहती है।
D) मेंथा नदी का उद्गम अजमेर की नाग पहाड़ियों से होता है और यह अपना जल कच्छ के रण में गिराती है।

प्रश्न 60: राजस्थान के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का कितना प्रतिशत भाग आंतरिक अपवाह तंत्र (Inland Drainage System) के अंतर्गत आता है?

- A) लगभग 40%
- B) लगभग 60%
- C) लगभग 20%
- D) लगभग 75%

[QUESTIONS SECTION]

प्रश्न 61: अरब सागर में जल गिराने वाली राजस्थान की प्रमुख नदियों (लूणी, माही, साबरमती एवं पश्चिमी बनास) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: लूणी नदी का जल बालोतरा (बाड़मेर) तक मीठा रहता है और उसके पश्चात लवणता की मात्रा अत्यधिक बढ़ने के कारण यह खारी हो जाती है।

कथन II: माही नदी विंध्याचल श्रेणियों (मध्य प्रदेश) से निकलकर राजस्थान के बांसवाड़ा जिले में प्रवेश करती है तथा यह कर्क रेखा को दो बार काटने वाली एकमात्र नदी है।

कथन III: साबरमती नदी का उद्गम उदयपुर जिले से होता है तथा इसका अधिकतम अपवाह क्षेत्र एवं उपयोगिता राजस्थान राज्य के अंतर्गत ही प्राप्त होती है।

- A) केवल 1 और 2
- B) केवल 2 और 3
- C) केवल 1 और 3
- D) केवल 1

प्रश्न 62: चम्बल नदी तंत्र तथा उसके द्वारा निर्मित उत्खात भूमि (Badland Topography) एवं डैंग क्षेत्र की भौगोलिक विशेषताओं का मूल्यांकन कीजिए:

कथन (A): चम्बल बेसिन में अत्यधिक अवनलिका अपरदन के कारण गहरे खड्डों एवं बीहड़ भूमि का निर्माण हुआ है, जिसे डांग क्षेत्र भी कहा जाता है।

कारण (R): चम्बल राजस्थान की एकमात्र ऐसी नदी है जो अंतरराज्यीय सीमा का निर्माण करती है और इसमें वर्ष भर समान दर से जल प्रवाह बना रहता है।

- A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
- B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
- C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
- D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

प्रश्न 63: बनास एवं उसकी सहायक नदियों के अपवाह तथा ऐतिहासिक-भौगोलिक स्वरूप के संबंध में दिए गए निष्कर्षों की सत्यता की जांच कीजिए:

कथन: बनास नदी अरावली की खमनोर पहाड़ियों से निकलकर पूर्णतः राजस्थान में बहने वाली सबसे लंबी नदी है, जिसे 'वन की आशा' (वर्णाशा) भी कहा जाता है।

निष्कर्ष I: बेड़च (आहाड़) नदी गोगुंदा की पहाड़ियों से निकलकर उदयसागर झील में गिरने के बाद बेड़च कहलाती है और भीलवाड़ा में बनास में मिल जाती है।

निष्कर्ष II: गम्भीरी नदी बनास की मुख्य सहायक नदी है जो जयसमंद झील में अपना जल प्रवाहित करती है।

- A) केवल निष्कर्ष I सही है
- B) केवल निष्कर्ष II सही है
- C) निष्कर्ष I और II दोनों सही हैं
- D) निष्कर्ष I और II दोनों गलत हैं

प्रश्न 64: राजस्थान की प्रमुख झीलों और उनसे संबंधित जिलों तथा विशेषताओं की सूचियों का सही मिलान कीजिए:

सूची I

- a) पंचपदरा झील
- b) जयसमंद झील
- c) नक्की झील

d) डीडवाना झील

सूची II

1. राजस्थान की सबसे ऊँची एवं मीठे पानी की प्राकृतिक क्रेटर/विवर्तनिक झील (सिरोही)
2. सोडियम सल्फेट संयंत्र एवं देवल संस्थाओं से नमक उत्पादन (डीडवाना-कुचामन)
3. खारवाल जाति द्वारा मोरली झाड़ी से उच्च गुणवत्ता युक्त नमक उत्पादन (बालोतरा)
4. 'ढेबर झील' के नाम से प्रसिद्ध राजस्थान की सबसे बड़ी कृत्रिम मीठे पानी की झील (सलूबर/उदयपुर)

- A) a-1, b-2, c-3, d-4
B) a-3, b-4, c-1, d-2
C) a-2, b-3, c-4, d-1
D) a-4, b-1, c-2, d-3

प्रश्न 65: राजस्थान की प्राकृतिक वनस्पति के विधिक/प्रशासनिक वर्गीकरण एवं भारत वन स्थिति रिपोर्ट (ISFR) के आंकड़ों के संबंध में कौन सा कथन असंगत (गलत) है?

- A) प्रशासनिक दृष्टि से राजस्थान के वनों को तीन श्रेणियों—आरक्षित वन (Reserved Forests), रक्षित/सुरक्षित वन (Protected Forests) तथा अवर्गीकृत वन (Unclassified Forests) में बांटा गया है।
B) राज्य में प्रशासनिक वनों के अंतर्गत सर्वाधिक क्षेत्रफल 'सुरक्षित/रक्षित वनों' का है।
C) भारत वन स्थिति रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान में वनावरण (Forest Cover) राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल के 10% से अधिक भाग पर विस्तृत है।
D) आरक्षित वनों में लकड़ी काटने और पशु चराने पर पूर्णतः प्रतिबंध होता है।

प्रश्न 66: राष्ट्रीय झील संरक्षण कार्यक्रम (NLCP) केंद्र सरकार द्वारा देश की संवेदनशील शहरी व अर्ध-शहरी झीलों के पारिस्थितिक पुनरुद्धार हेतु संचालित एक महत्वपूर्ण योजना है। इसमें केंद्र और राज्य सरकार का निश्चित वित्तीय योगदान होता है। इसके अंतर्गत राजस्थान की प्रमुख मीठे पानी की झीलों को शामिल करके उनके जल पुनर्भरण, प्रदूषण नियंत्रण एवं सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है।

उपरोक्त गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित में से झीलों का कौन सा समूह राजस्थान में राष्ट्रीय झील संरक्षण कार्यक्रम (NLCP) के तहत शामिल है?

- A) पंचपदरा, डीडवाना, लूनकरणसर, फलोदी, कोलायत
B) आनासागर, पुष्कर, नक्की, पिछोला, फ़तेहसागर, रूपसागर/मानसागर
C) जयसमंद, राजसमंद, सिलीसेढ़, बालसमंद, कोलायत
D) सांभर, डीडवाना, पंचपदरा, नक्की, पुष्कर

प्रश्न 67: राजस्थान में 'कालीसिंध' नदी मध्य प्रदेश के देवास से निकलकर राजस्थान में किस स्थान/जिले से प्रवेश करती है?

- A) खांदू गाँव (बांसवाड़ा)
B) बिंदा गाँव (झालावाड़)
C) चौमहला (झालावाड़)
D) चौरासीगढ़ (चित्तौड़गढ़)

प्रश्न 68: अरब सागरीय अपवाह तंत्र की नदियों और उनकी सहायक नदियों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: जोजरी नदी लूनी की एकमात्र ऐसी सहायक नदी है जो अरावली की पहाड़ियों से न निकलकर नागौर की पहाड़ियों से निकलती है तथा लूनी में दाईं ओर से मिलती है।

कथन II: सोम एवं जाखम नदियाँ माही नदी की प्रमुख सहायक नदियाँ हैं जो बेणेश्वर में त्रिवेणी संगम बनाती हैं।

कथन III: पश्चिमी बनास नदी का उद्गम सिरोही जिले के नया संवारा गाँव से होता है तथा यह कच्छ की खाड़ी में जाकर समाप्त होती है।

- A) केवल 1 और 2
B) केवल 2 और 3
C) केवल 1 और 3
D) केवल 1

प्रश्न 69: चम्बल नदी घाटी परियोजना एवं इस पर निर्मित बांधों की भौगोलिक अवस्थिति का मूल्यांकन कीजिए:

कथन (A): चम्बल नदी पर निर्मित चार प्रमुख बांधों में से तीन बांध राजस्थान राज्य की भौगोलिक सीमा के भीतर स्थित हैं।

कारण (R): गांधी सागर बांध मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले में स्थित है, जबकि राणा प्रताप सागर, जवाहर सागर तथा कोटा बैराज राजस्थान में स्थित हैं।

- A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

प्रश्न 70: बंगाल की खाड़ी अपवाह तंत्र की प्रसिद्ध नदी बाणगंगा (अर्जुन की गंगा) के संदर्भ में दिए गए निष्कर्षों का मूल्यांकन कीजिए:

कथन: बाणगंगा नदी जयपुर जिले की बैराठ (विराटनगर) पहाड़ियों से निकलकर पूर्व की ओर बहते हुए भरतपुर के मैदानों में बहती है।

निष्कर्ष I: बाणगंगा नदी पर जयपुर में 'जमवा रामगढ़' बांध निर्मित है, जिसे जयपुर की जीवन रेखा माना जाता था।

निष्कर्ष II: बाणगंगा नदी सदैव अपना जल सीधे गंगा नदी में ले जाकर गिराती है तथा यह कभी विलुप्त नहीं होती।

- A) केवल निष्कर्ष I सही है
B) केवल निष्कर्ष II सही है
C) निष्कर्ष I और II दोनों सही हैं
D) निष्कर्ष I और II दोनों गलत हैं

प्रश्न 71: राजस्थान की प्रमुख नदियों एवं उन पर निर्मित प्रसिद्ध बांधों की सूचियों का सही मिलान कीजिए:

सूची I

- a) माही नदी
b) बनास नदी
c) बेड़च/गम्भीरी नदी
d) कोठारी नदी

सूची II

1. मेजा बांध (भीलवाड़ा)
2. अटरू/अजान बांध एवं अकोला अजान
3. बीसलपुर बांध (टोंक)
4. माही बजाज सागर बांध (बांसवाड़ा)

- A) a-1, b-2, c-3, d-4
B) a-4, b-3, c-2, d-1
C) a-2, b-3, c-4, d-1
D) a-3, b-4, c-1, d-2

प्रश्न 72: राजस्थान की खारे पानी की झीलों तथा उनके नमक उत्पादन उद्योग के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन असंगत (गलत) है?

- A) सांभर झील भारत में आंतरिक स्रोत से उत्पादित कुल नमक का लगभग 8.7% नमक उत्पादित करती है।
B) सांभर साल्ट्स लिमिटेड (Hindustan Salts Ltd. की सहायक) की स्थापना वर्ष 1964 में की गई थी।
C) पंचपदरा झील के नमक में सोडियम क्लोराइड की मात्रा 98% तक पाई जाती है, जो खाने की दृष्टि से सर्वोत्तम है।
D) डीडवाना झील के नमक में सोडियम क्लोराइड की अत्यधिक मात्रा होने के कारण यह मानव उपभोग हेतु भारत में सबसे श्रेष्ठ माना जाता है।

प्रश्न 73: राजस्थान में वनों का संरक्षण एवं वैज्ञानिक प्रबंधन राज्य की पारिस्थितिकी को बनाए रखने के लिए अनिवार्य है। भारत वन स्थिति रिपोर्ट (ISFR) के अनुसार राजस्थान के कुल रिकॉर्डेड वन क्षेत्र में आरक्षित, रक्षित और अवर्गीकृत वनों का अनुपात अलग-अलग है। राजस्थान के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल के सापेक्ष वास्तविक वनावरण (Forest Cover) काफी कम है, जिसमें झाड़ीदार वनों का भी योगदान शामिल है।

उपरोक्त गद्यांश के आधार पर राजस्थान के प्रशासनिक वन वर्गीकरण में 'आरक्षित वन' (Reserved Forest) श्रेणी की मुख्य विशेषता क्या है?

- A) इनमें नागरिकों को बिना किसी अनुमति के स्वतंत्र रूप से पशु चराने की छूट होती है।
B) ये वन पूर्णतः सरकारी नियंत्रण में होते हैं जहाँ वृक्ष काटना एवं पशु चराना सख्त वर्जित होता है।

- C) इनमें केवल निजी व्यक्तियों को स्वामित्व अधिकार दिए जाते हैं।
D) इनमें केवल शुष्क मरुस्थलीय कंटीली झाड़ियाँ ही शामिल की जाती हैं।

प्रश्न 74: राजस्थान की 'बाणगंगा' नदी को अन्य किस नाम से भी पुकारा जाता है?

- A) ताला नदी एवं रुंडित सरिता
B) कामधेनु एवं नित्यवाही
C) मालगंगा एवं वर्णाशा
D) भोगवा एवं वराह नदी

प्रश्न 75: राजस्थान की प्राकृतिक वनस्पति तथा इसके विधिक वर्गीकरण से संबंधित निम्नलिखित तीन कथनों का अध्ययन कीजिए:

कथन I: राजस्थान में वनों के प्रकारों में सर्वाधिक विस्तार 'धौकड़ा' (Anogeissus pendula) वृक्षों वाले वनों का पाया जाता है।

कथन II: अवर्गीकृत वनों (Unclassified Forests) में पशु चराने एवं लकड़ी काटने के लिए सरकार द्वारा कोई शुल्क नहीं लिया जाता और न ही कोई प्रतिबंध होता है।

कथन III: भारतीय वन सर्वेक्षण (FSI) का मुख्यालय देहरादून में स्थित है जो प्रति दो वर्ष में भारत वन स्थिति रिपोर्ट (ISFR) जारी करता है।

- A) केवल 1 और 2
B) केवल 2 और 3
C) केवल 1 और 3
D) केवल 1

प्रश्न 76: राजस्थान में नक्की और पिछोला झीलों की भौगोलिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं के संबंध में कथनों का विश्लेषण कीजिए:

कथन (A): नक्की झील माउंट आबू (सिरोही) में स्थित है और यह राजस्थान की सबसे ऊँची झील है जो सर्दियों में अक्सर जम जाती है।

कारण (R): लोक मान्यताओं के अनुसार नक्की झील का निर्माण देवताओं ने अपने नाखूनों से खोदकर किया था, जबकि भू-वैज्ञानिक इसे क्रेटर या विवर्तनिक झील मानते हैं।

- A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

प्रश्न 77: कालीसिंध और आहु नदियों के संगम पर निर्मित ऐतिहासिक दुर्ग एवं जल निकायों के आधार पर दिए गए निष्कर्षों का मूल्यांकन कीजिए:

कथन: झालावाड़ जिले में कालीसिंध और आहु नदियों के पवित्र संगम (सामेल) पर एक प्रसिद्ध बिना नींव वाला जलदुर्ग अवस्थित है।

निष्कर्ष I: कालीसिंध और आहु के संगम पर प्रसिद्ध गागरोन का जलदुर्ग (Gagron Fort) स्थित है।

निष्कर्ष II: गागरोन दुर्ग चारों ओर से सांभर झील के खारे पानी से घिरा हुआ एक गिरी दुर्ग है।

- A) केवल निष्कर्ष I सही है
B) केवल निष्कर्ष II सही है
C) निष्कर्ष I और II दोनों सही हैं
D) निष्कर्ष I और II दोनों गलत हैं

प्रश्न 78: भारत वन स्थिति रिपोर्ट (ISFR) के अनुसार राजस्थान के सर्वाधिक वनावरण (क्षेत्रफल की दृष्टि से) वाले जिलों का सही अवरोही क्रम चुनिए:

सूची I

- a) सर्वाधिक वनावरण (1st)
b) द्वितीय सर्वाधिक वनावरण (2nd)
c) तृतीय सर्वाधिक वनावरण (3rd)
d) न्यूनतम वनावरण (क्षेत्रफल)

सूची II

1. अलवर
2. उदयपुर
3. चूरू
4. प्रतापगढ़

- A) a-1, b-2, c-3, d-4
B) a-2, b-1, c-4, d-3
C) a-4, b-3, c-2, d-1
D) a-3, b-4, c-1, d-2

प्रश्न 79: राजस्थान के अपवाह तंत्र एवं नदियों के उद्गम स्थलों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन असंगत (गलत) है?

- A) साबरमती नदी का उद्गम उदयपुर जिले के झाड़ोल तहसील के पदराड़ा गाँव की पहाड़ियों से होता है।
- B) पश्चिमी बनास नदी का उद्गम सिरोही जिले के नया संवारा गाँव से होता है।
- C) सोम नदी का उद्गम उदयपुर जिले की बीछामेड़ा पहाड़ियों से होता है।
- D) लूनी नदी का उद्गम बाड़मेर जिले की नाकोड़ा पहाड़ियों से होता है।

प्रश्न 80: उदयपुर में स्थित 'पिछोला झील' का निर्माण 14वीं शताब्दी में महाराणा लाखा के शासनकाल में किस माध्यम द्वारा करवाया गया था?

- A) मुगल सम्राट अकबर द्वारा राजकीय व्यय से
- B) एक छिपीमार/बंजारे द्वारा अपने बैल की स्मृति में
- C) ब्रिटिश सरकार द्वारा सिंचाई हेतु
- D) जैन मुनियों द्वारा धर्मार्थ हेतु

[QUESTIONS SECTION]

प्रश्न 81: राजस्थान के वनों के जलवायवीय एवं भौगोलिक वर्गीकरण (शुष्क सागवान, धोकड़ा, कंटीले, मिश्रित पतझड़ी एवं उपोष्ण सदाबहार वन) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: शुष्क सागवान वन मुख्यतः राज्य के दक्षिणी भाग (बांसवाड़ा, डुंगरपुर, प्रतापगढ़ एवं कोटा) में पाए जाते हैं जहाँ वार्षिक वर्षा 75 से 110 सेमी. के मध्य होती है।

कथन II: उपोष्ण कटिबंधीय सदाबहार वन राजस्थान के केवल माउंट आबू (सिरोही) पर्वतीय क्षेत्र तक सीमित हैं और ये कुल वन क्षेत्रफल का 1% से भी कम भाग निर्मित करते हैं।

कथन III: धोकड़ा (*Anogeissus pendula*) वन राजस्थान में केवल पश्चिमी थार मरुस्थल के रेतीले शुष्क भागों में ही पाए जाते हैं तथा ये वर्षा पर निर्भर नहीं होते।

- A) केवल 1 और 2

- B) केवल 2 और 3
- C) केवल 1 और 3
- D) केवल 1

प्रश्न 82: राजस्थान के वन्यजीव संरक्षण ढाँचे, राष्ट्रीय उद्यानों तथा टाइगर रिजर्व के संबंध में दिए गए विवरण का मूल्यांकन कीजिए:

कथन (A): रामगढ़ विषधारी अभ्यारण्य (बूंदी) को वर्ष 2022 में राजस्थान के चौथे टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित किया गया है।

कारण (R): रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान (सवाई माधोपुर) राज्य का पहला राष्ट्रीय उद्यान तथा पहला टाइगर प्रोजेक्ट क्षेत्र है, जिसे 'बाघों की क्रीड़ास्थली' भी कहा जाता है।

- A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
- B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
- C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
- D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

प्रश्न 83: राजस्थान की रामसर आर्द्रभूमि (Ramsar Wetlands) सूचियों तथा उनसे जुड़ी पारिस्थितिकी के संबंध में दिए गए निष्कर्षों का मूल्यांकन कीजिए:

कथन: राजस्थान में अंतर्राष्ट्रीय महत्व के दो रामसर आर्द्रभूमि स्थल—केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (भरतपुर) तथा सांभर झील (जयपुर/नागौर)—अधिसूचित हैं।

निष्कर्ष I: केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान को वर्ष 1981 में रामसर सूची में शामिल किया गया था तथा यह मॉन्ट्रियॉक्स रिकॉर्ड (Montreux Record) में भी दर्ज है।

निष्कर्ष II: सांभर झील को वर्ष 2015 में यूनेस्को द्वारा प्राकृतिक विश्व धरोहर स्थल का दर्जा प्रदान किया गया था।

- A) केवल निष्कर्ष I सही है
- B) केवल निष्कर्ष II सही है
- C) निष्कर्ष I और II दोनों सही हैं
- D) निष्कर्ष I और II दोनों गलत हैं

प्रश्न 84: राजस्थान में मृदा के सामान्य/पारंपरिक वर्गीकरण एवं संबंधित क्षेत्रीय वितरण की सूचियों का सही मिलान कीजिए:

सूची I

- a) लाल-लोमी मृदा (Red-Loam Soil)
- b) काली मृदा (Medium Black Soil)
- c) कछारी/जलोढ़ मृदा (Alluvial Soil)
- d) रेतीली/बलुई मृदा (Arid/Sandy Soil)

सूची II

- 1. जयपुर, अलवर, भरतपुर, दोसा (उपजाऊ मैदानी अंचल)
- 2. जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर, जोधपुर (शुष्क मरुस्थलीय अंचल)
- 3. डूंगरपुर, बांसवाड़ा, उदयपुर का दक्षिणी भाग (मक्का कृषि हेतु उपयुक्त)
- 4. कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़ (हाड़ौती का पठार)

- A) a-1, b-2, c-3, d-4
- B) a-3, b-4, c-1, d-2
- C) a-2, b-3, c-4, d-1
- D) a-4, b-1, c-2, d-3

प्रश्न 85: मृदा के आधुनिक एवं वैज्ञानिक वर्गीकरण (US Comprehensive Soil Classification System) के आधार पर राजस्थान की मृदाओं के संदर्भ में कौन सा कथन असंगत (गलत) है?

- A) एरिडिसॉल्स (Aridisols) मृदा मुख्यतः पश्चिमी राजस्थान के शुष्क जलवायु प्रदेशों में पाई जाती है।
- B) अल्फ़िसॉल्स (Alfisols) मृदा मुख्यतः जयपुर, अलवर, भरतपुर एवं पूर्वी मैदानी जिलों में विस्तृत उपजाऊ जलोढ़ मृदा का प्रतिनिधित्व करती है।
- C) वर्टिसॉल्स (Vertisols) मृदा अत्यधिक क्ले युक्त होती है जिसमें स्व-जुताई (Self-ploughing) का गुण पाया जाता है और यह हाड़ौती पठार में पाई जाती है।
- D) इनसेप्सिसॉल्स (Inceptisols) मृदा केवल जैसलमेर और बाड़मेर के बालुका स्तूपों के शीर्ष पर ही पाई जाती है तथा अरावली में पूरी तरह अनुपस्थित है।

प्रश्न 86: राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी नहरी क्षेत्रों (विशेषकर इंदिरा गांधी नहर परियोजना के कमान क्षेत्र) में जलाधिक्य और अपारगम्य मृदा परतों के

कारण जल-जमाव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है। इसे स्थानीय स्तर पर 'सेम' (SEM) की समस्या कहा जाता है। इसके कारण भूमि दलदली हो जाती है, केशिका क्रिया (Capillary action) से लवण धरातल पर जमा हो जाते हैं और भूमि अनुपजाऊ होकर क्षारीय/ऊसर बन जाती है।

उपरोक्त गद्यांश के आधार पर 'सेम' की समस्या एवं मृदा क्षारीयता के स्थायी वैज्ञानिक उपचार हेतु किस खनिज का उपयोग सर्वाधिक प्रभावकारी माना जाता है?

- A) रॉक फास्फेट
- B) जिप्सम
- C) पाइराइट्स
- D) चूना पत्थर (Limestone)

प्रश्न 87: मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन हेतु केंद्र सरकार द्वारा 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना' (Soil Health Card Scheme) का शुभारंभ राजस्थान के किस स्थान से किया गया था?

- A) सूरतगढ़ (श्रीगंगानगर)
- B) पोकरण (जैसलमेर)
- C) कल्याणपुर (बाड़मेर)
- D) ताबीजी (अजमेर)

प्रश्न 88: राजस्थान के वनों के प्रकारों एवं उनकी विशेषताओं के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: मिश्रित पतझड़ वन (Mixed Deciduous Forests) उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ तथा सिरोंही जिलों में पाए जाते हैं जहाँ धौक, सालर, ढाक (पलाश) एवं बांस के वृक्ष प्रमुखता से मिलते हैं।

कथन II: उष्णकटिबंधीय कंटीले वन (Tropical Thorn Forests) मुख्यतः 25 से 50 सेमी. वर्षा वाले अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में पाए जाते हैं जहाँ खेजड़ी, रोहिड़ा, कैर एवं बेर मुख्य प्रजातियाँ हैं।

कथन III: रोहिड़ा (Tecomella undulata) को वर्ष 1983 में राजस्थान का राज्य पक्षी घोषित किया गया था।

- A) केवल 1 और 2
- B) केवल 2 और 3

- C) केवल 1 और 3
D) केवल 1

प्रश्न 89: राजस्थान के कंजर्वेशन रिजर्व (संरक्षित क्षेत्र) एवं उनके प्रशासनिक जिलों के संबंध में दिए गए विवरण का मूल्यांकन कीजिए:

कथन (A): बीसलपुर (टोंक) और जोहड़बीड़ गाढ़वाला (बीकानेर) राजस्थान के घोषित कंजर्वेशन रिजर्व क्षेत्रों में शामिल हैं।

कारण (R): वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत राज्य सरकार राष्ट्रीय उद्यानों और अभ्यारण्यों से सटे क्षेत्रों को कंजर्वेशन रिजर्व के रूप में अधिसूचित कर सकती है।

- A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

प्रश्न 90: राजस्थान की मृदा अपरदन की समस्याओं (चादर अपरदन एवं अवनालिका अपरदन) के संदर्भ में दिए गए निष्कर्षों का मूल्यांकन कीजिए:

कथन: अरावली के ढालों पर वनों की अंधाधुंध कटाई से वर्षा जल द्वारा मृदा की ऊपरी परत का क्षरण होता है, जिसे चादर अपरदन (Sheet Erosion) कहते हैं।

निष्कर्ष I: चादर अपरदन सिरोही और राजसमंद जिलों के पहाड़ी ढालों पर सर्वाधिक दिखाई देता है।

निष्कर्ष II: अवनालिका अपरदन (Gully Erosion) पवन द्वारा जैसलमेर के मरुस्थल में रेत के टीलों को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया है।

- A) केवल निष्कर्ष I सही है
B) केवल निष्कर्ष II सही है
C) निष्कर्ष I और II दोनों सही हैं
D) निष्कर्ष I और II दोनों गलत हैं

प्रश्न 91: राजस्थान के प्रमुख वन्यजीव अभ्यारण्यों एवं उनकी प्रसिद्ध पहचान/प्रजातियों की सूचियों का सही मिलान कीजिए:

सूची I

- a) सीतामाता अभ्यारण्य
b) राष्ट्रीय मरु उद्यान
c) तालछापर अभ्यारण्य
d) रामगढ़ विषधारी अभ्यारण्य

सूची II

1. गोडावण (Great Indian Bustard) एवं काष्ठ जीवाश्म
2. कृष्णमृग (Black Buck) एवं मोइया घास
3. उड़न गिलहरी (Flying Squirrel) एवं चोसिंगा
4. पाइथन एवं बाघों का प्राकृतिक जंक्शन/कॉरिडोर

- A) a-1, b-2, c-3, d-4
B) a-3, b-1, c-2, d-4
C) a-2, b-4, c-1, d-3
D) a-4, b-3, c-2, d-1

प्रश्न 92: राजस्थान में क्षारीय/ऊसर मृदा एवं इसके सुधार की वैज्ञानिक प्रविधियों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा कथन असंगत (गलत) है?

- A) जिस मृदा का pH मान 8.5 से अधिक होता है, उसे क्षारीय या लवण प्रभावित मृदा माना जाता है।
B) मृदा की अम्लीयता दूर करने के लिए चूना पत्थर (Lime) का उपयोग किया जाता है।
C) जिप्सम (Calcium Sulphate) का उपयोग क्षारीय मृदा में सोडियम विनिमय को घटाकर मृदा संरचना में सुधार हेतु किया जाता है।
D) राजस्थान के थार मरुस्थल की रेतीली मृदा में नाइट्रोजन और ह्यूमस की अत्यधिक प्रचुरता पाई जाती है जिसके कारण यह स्वतः उपजाऊ है।

प्रश्न 93: राजस्थान की जलवायु विषमता और मृदा संरचना के कारण भू-क्षरण (Soil Erosion) एक गंभीर समस्या है। जल अपरदन के कारण न केवल उपजाऊ मृदा नष्ट होती है, बल्कि नदियों और बांधों में गाद (Siltation) जमा होती है। राजस्थान के चंबल और उसकी सहायक नदियों के प्रवाह क्षेत्रों में अवनालिका अपरदन से विकराल बीहड़ बन गए हैं। इसके नियंत्रण हेतु समोच्च जुताई, वृक्षारोपण और एनिकट निर्माण जैसी जलसम्भर प्रबंधन तकनीकें अपनाई जा रही हैं।

उपरोक्त गद्यांश के आधार पर अवनालिका अपरदन से राजस्थान का कौन सा क्षेत्र सर्वाधिक बुरी तरह प्रभावित है?

- A) पश्चिमी रेतीला मैदान (जैसलमेर, बाड़मेर)
- B) दक्षिणी-पूर्वी हाड़ौती एवं चंबल बेसिन (कोटा, धौलपुर, करौली, सवाई माधोपुर)
- C) उत्तरी नहर क्षेत्र (गंगानगर, हनुमानगढ़)
- D) आबू पर्वतीय क्षेत्र (सिरोही)

प्रश्न 94: राजस्थान का राज्य वृक्ष 'खेजड़ी' (*Prosopis cineraria*) किस वैज्ञानिक वन प्रकार का प्रतिनिधित्व करता है?

- A) उष्णकटिबंधीय कंटीले वन (Tropical Thorn Forests)
- B) उपोष्ण पर्वतीय सदाबहार वन
- C) शुष्क सागवान वन
- D) नम पर्णपाती वन

प्रश्न 95: वैज्ञानिक वर्गीकरण के अनुसार राजस्थान में 'एंटीसॉल्स' (Entisols) मृदा के संबंध में निम्नलिखित तीन कथनों का अध्ययन कीजिए:

कथन I: एंटीसॉल्स मृदा बिना किसी स्पष्ट संस्तर (Soil Horizon) के विकसित नव-निर्मित मृदा का समूह है।

कथन II: यह मृदा राजस्थान के लगभग सभी जिलों में पाई जाती है, परंतु इसका सर्वाधिक विस्तार पश्चिमी शुष्क क्षेत्र में है।

कथन III: एंटीसॉल्स मृदा का रंग गहरा काला होता है तथा इसमें नमी धारण करने की क्षमता सर्वाधिक होती है।

- A) केवल 1 और 2
- B) केवल 2 और 3
- C) केवल 1 और 3
- D) केवल 1

प्रश्न 96: राजस्थान के मुकुंदरा हिल्स राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिजर्व के भौगोलिक विस्तार और जैव-विविधता के संबंध में कथनों का विश्लेषण कीजिए:

कथन (A): मुकुंदरा हिल्स को वर्ष 2012 में राष्ट्रीय उद्यान तथा वर्ष 2013 में राज्य के तीसरे टाइगर रिजर्व के रूप में अधिसूचित किया गया।

कारण (R): मुकुंदरा हिल्स राष्ट्रीय उद्यान का विस्तार कोटा, चित्तौड़गढ़, झालावाड़ तथा बूंदी जिलों के भू-भाग में फैला हुआ है।

- A) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है।
- B) A और R दोनों सही हैं लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं है।
- C) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) गलत है।
- D) कथन (A) गलत है, लेकिन कारण (R) सही है।

प्रश्न 97: केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (भरतपुर) की पारिस्थितिकी एवं संरक्षण स्थिति के संबंध में दिए गए विवरण के आधार पर निष्कर्ष निकालिए:

कथन: केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान साइबेरियन क्रेन (पक्षियों का स्वर्ग) का शीतकालीन प्रवास स्थल है जिसे बाणगंगा और गम्भीरी नदियों (अजान बांध) से जल प्राप्त होता है।

निष्कर्ष I: केवलादेव को यूनेस्को द्वारा प्राकृतिक विश्व धरोहर स्थल सूची में 1985 में शामिल किया गया था।

निष्कर्ष II: केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान राजस्थान का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है जहाँ केवल खारे पानी की झीलें पाई जाती हैं।

- A) केवल निष्कर्ष I सही है
- B) केवल निष्कर्ष II सही है
- C) निष्कर्ष I और II दोनों सही हैं
- D) निष्कर्ष I और II दोनों गलत हैं

प्रश्न 98: मृदा के आधुनिक वैज्ञानिक वर्गीकरण (Orders) तथा उनके राजस्थान में वितरण क्षेत्रों की सूचियों का सही मिलान कीजिए:

सूची I

- a) वर्टिसॉल्स (Vertisols)
- b) अल्फिसॉल्स (Alfisols)
- c) एरिडिसॉल्स (Aridisols)
- d) इनसेप्सिसॉल्स (Inceptisols)

सूची II

1. चूरू, सीकर, झुंझुनू, नागौर (शुष्क व अर्ध-शुष्क)
2. सिरोही, पाली, उदयपुर, भीलवाड़ा (पर्वतीय ढाल)
3. कोटा, बूंदी, बारां, झालावाड़ (मध्यम काली मृदा)
4. जयपुर, दोसा, अलवर, भरतपुर (जलोढ़/कांप मृदा)

- A) a-1, b-2, c-3, d-4
B) a-3, b-4, c-1, d-2
C) a-2, b-4, c-1, d-3
D) a-4, b-1, c-2, d-3

प्रश्न 99: राजस्थान की मृदा समस्याओं एवं संरक्षण योजनाओं के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन असंगत (गलत) है?

- A) वायु अपरदन (Wind Erosion) राजस्थान में मृदा क्षरण का सबसे बड़ा कारण है जो मुख्य रूप से पश्चिमी मरुस्थलीय जिलों में होता है।
B) केंद्रीय मृदा संरक्षण बोर्ड (Central Soil Conservation Board) का क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र कोटा में स्थित है।
C) राजस्थान में 'लवणीय मृदा' को स्थानीय भाषा में 'रेह', 'अल्कालाइन' या 'ऊसर' भी कहा जाता है।
D) 'मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना' की टैगलाइन "स्वस्थ धरा, खेत हरा" है और यह 100% राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित योजना है।

प्रश्न 100: राजस्थान में वर्ष 1983 में किसे 'राज्य पुष्प' (State Flower) के रूप में घोषित किया गया था, जिसे 'मरुशोभा' या 'डेजर्ट टीक' भी कहा जाता है?

- A) रोहिड़ा (Tecomella undulata)
B) खेजड़ी (Prosopis cineraria)
C) कल्पवृक्ष
D) धौकड़ा

wincompete